

देश की सबसे लंबी जल सुरंग से छह जिलों के 1450 गांवों और 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को मिलेगा सिंचाई लाभ



मुख्यमंत्री आज करेंगे स्लीमनाबाद जल सुरंग का निरीक्षण

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: मध्य प्रदेश की महत्वाकांक्षी स्लीमनाबाद जल सुरंग परियोजना अब पूर्णता के अंतिम चरण में पहुंच गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को कटनी जिले में देश की सबसे लंबी और तकनीकी दृष्टि से जटिल जल सुरंग का निरीक्षण करेंगे।

लगभग 11.952 किलोमीटर लंबी यह सुरंग विंध्य पर्वतमाला के भीतर से नर्मदा का जल गुरुत्वाकर्षण के आधार पर सोन नदी के कछार तक पहुंचाएगी। परियोजना के पूरा होने पर जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, रीवा और पन्ना जिले के लगभग 1450 गांवों को 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि

को स्थायी सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित इस परियोजना का निर्माण वर्ष 2008 में प्रारंभ हुआ था। लंबे समय तक भूगर्भीय चुनौतियों के कारण कार्य प्रभावित रहा, लेकिन अब सुरंग का निर्माण अंतिम चरण में है और केवल अंतिम ब्रेकथ्रू का कार्य शेष है।

परियोजना के निर्माण के दौरान कठोर चट्टानों, भूमिगत जल रिसाव तथा भूगर्भीय गुफाओं जैसी जटिल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। प्रारंभ में उपयोग की गई मशीन के निष्प्रभावी होने के बाद अत्याधुनिक जर्मन सुरंग निर्माण मशीन तथा

अब तक परियोजना का 96.66 प्रतिशत कार्य पूरा

परियोजना की प्रारंभिक स्वीकृत लागत 799 करोड़ रुपये थी, जो विभिन्न तकनीकी आवश्यकताओं, भूगर्भीय परिस्थितियों तथा अतिरिक्त निर्माण कार्यों के कारण बढ़कर 1610.47 करोड़ रुपये हो गई। अब तक परियोजना का 96.66 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। 12.135 किलोमीटर लंबी खुली नहर तथा 11.952 किलोमीटर लंबी मुख्य जल सुरंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि कट एंड कवर तकनीक से निर्मित 0.913 किलोमीटर नहर का अधिकांश कार्य भी पूरा कर लिया गया है। परियोजना के माध्यम से बिना किसी विद्युत ऊर्जा या पंप के केवल गुरुत्वाकर्षण के आधार पर नर्मदा का जल बरगी दायाँ तट मुख्य नहर से सिंचाई क्षेत्र तक पहुंचेगा। राज्य सरकार के अनुसार मार्च 2026 तक 44 हजार 160 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। दिसंबर 2026 तक 87 हजार 433 हेक्टेयर तथा दिसंबर 2027 तक कुल 1 लाख 54 हजार 693 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विशेष ग्राउंडिंग तकनीक का उपयोग किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग और रेल मार्ग के

नीचे से गुजरने वाली इस सुरंग का निर्माण सुरक्षित ढंग से पूरा किया गया।

टिकट काटने का फैसला किसी और का था: मिश्रा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्य प्रदेश के दत्तिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान पूर्व गुहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का बयान राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र बन गया। भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में आयोजित जनसभा में उन्होंने कहा कि उनकी टिकट काटने की क्षमता आशुतोष तिवारी में नहीं है।

उन्होंने कहा कि टिकट का फैसला किसी और स्तर पर लिया गया है और जिन लोगों ने यह निर्णय किया है, उनसे वह स्वयं बात कर लेंगे। नरोत्तम मिश्रा ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से भावनाओं में बहने के बजाय संगठन के हित में काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि टिकट नहीं मिलने के बाद कार्यकर्ताओं की भावनाएं देखकर वह स्वयं भी भावुक हो गए थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का प्रेम और विश्वास उनके लिए किसी भी पद से अधिक महत्वपूर्ण है तथा दत्तिया से उनका भावनात्मक रिश्ता हमेशा बना रहेगा।

जनसभा में उन्होंने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि नाराजगी और गुस्से का इस्तेमाल सही दिशा में होना चाहिए। उन्होंने

स्पष्ट किया कि राजनीतिक लड़ाई विपक्ष से है, अपनी ही पार्टी से नहीं। इसी संदर्भ में उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि 'ब्रह्मास्त्र गलत जगह मत दागो।' उनका आशय था कि असंतोष के कारण पार्टी को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए और सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए।

गौरतलब है कि इससे पहले भी नरोत्तम मिश्रा अपने एक बयान को लेकर चर्चा में रहे थे, जिसमें उन्होंने दत्तिया के प्रशासनिक अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा था कि वह घटनाओं को भूलने वालों में नहीं हैं और उचित समय पर जवाब देंगे। उनके इन बयानों को लेकर राजनीतिक हलकों में विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हालांकि, भाजपा की ओर से उनके ताजा बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उपचुनाव के दौरान ऐसे बयान दत्तिया की सियासत को और गर्मा सकते हैं, जबकि पार्टी का पूरा जोर संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखने और चुनावी जीत सुनिश्चित करने पर है।



कांग्रेस विधायक दल की बैठक 19 को विस सत्र की रणनीति पर होगी चर्चा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्य प्रदेश विधानसभा के आगामी सत्र की तैयारियों को लेकर कांग्रेस विधायक दल की बैठक 19 जुलाई रविवार को शाम 7:30 बजे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के निवास भोपाल में आयोजित होगी।

बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सदन में उठाए जाने वाले विभिन्न जनहित के मुद्दों एवं विपक्ष की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश से जुड़े समासामयिक विषयों पर कांग्रेस विधायक दल के सदस्यों के बीच विचार-विमर्श होगा।

कांग्रेस विधायक दल प्रदेश से जुड़े जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगा: उमंग

बैठक में कथित भूमि घोटाले से जुड़े आरोपों, किसान समस्याओं, सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता के लिए वार्षिक जाँच कैलेंडर जारी करने की मांग, युवाओं के रोजगार एवं भर्ती परीक्षा व्यवस्था में सुधार, समान नागरिक संहिता (यूसीसी), आदिवासी एवं दलित अधिकार,

महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति तथा भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। इन मुद्दों को विधानसभा सत्र के दौरान उठाने की रणनीति भी तैयार की जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल प्रदेश से जुड़े जनहित के मुद्दों को विधानसभा से उठाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं, महिलाओं, आदिवासी एवं दलित समुदाय सहित विभिन्न वर्गों से जुड़े विषयों पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा।

प्रदेश में सामान्य से 11 प्रतिशत कम वर्षा 35 जिले वर्षा की कमी से प्रभावित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्य प्रदेश में पिछले सात दिनों से भारी अथवा अति भारी वर्षा नहीं होने के कारण कई क्षेत्रों में वर्षा की कमी की स्थिति बनी हुई है। जबलपुर सहित प्रदेश के 35 जिलों में अब तक सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है। पूर्वी मध्य प्रदेश के जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग वर्षा की कमी से अधिक प्रभावित हैं, जबकि भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम तथा ग्वालियर-चंबल संभाग में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर बनी हुई

मुख्यमंत्री ने भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की शुभकामनाएं दीं

नप्र, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आस्था, सेवा और लोककल्याण का यह महापर्व समाज को एकता, अपनत्व और श्रद्धा के सूत्र में जोड़ता है। प्रभु श्री जगन्नाथ, बलभद्र जी और माता सुभद्रा की असौम कृपा से प्रत्येक परिवार सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि से परिपूर्ण हो, यही मंगलकामना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

ने जताया शोक

नप्र, भोपाल: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने अनुसूचित जाति मोर्चा के छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष लोकेश डेहरिया के निधन पर शोक व्यक्त किया है। खण्डेलवाल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने शीर्चरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं को सुना। इस दौरान पार्टी के प्रदेश मंत्री राजेन्द्र सिंह राजपूत उपस्थित रहे।

गोविंद सिंह राजपूत ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

मध्यप्रदेश में बढ़ेगा कपड़ा उत्पादन तीन लाख लोगों को मिलेगा रोजगार



राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वस्त्र एवं परिधान उद्योग के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर कपड़ा उत्पादन और रोजगार के अवसर लगातार बढ़ाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश के पहले पीएम मित्रा पार्क की स्थापना धार जिले में की जा रही है, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग तीन लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही मालवा-निमाड़ क्षेत्र के छह लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को इसका लाभ प्राप्त होगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स-2026 के राउंड टेबल संवाद

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों और निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था, कुशल श्रमिकों की उपलब्धता और उद्योगों के अनुकूल वातावरण निवेशकों के लिए नई संभावनाएं तैयार कर रहा है।

डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार ने उद्योगपतियों से किए गए सभी वादे पूरे किए हैं। मई 2026 तक की सभी सस्बिडी और देनदारियों का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जा चुका है। पिछले डेढ़ वर्ष में लगभग 5,500 करोड़ रुपये की सस्बिडी उद्योगों को उपलब्ध कराई गई है।



• बड़े जिले की तलाश

मध्यप्रदेश के एक सीमावर्ती जिले के साहब पूरी ताकत झोंककर किसी बड़े जिले में पदस्थापना के

प्रयास में जुड़े हैं। इसके लिए साहब हर रैंतरा अपनाने को तैयार हैं। उनका मानना है कि सफलता मिलनी चाहिए, चाहे जैसे भी मिले। विधानसभा के वर्षाकालीन सत्र के बाद उनके उन्नयन का भरोसा मिला है।

• पहाड़ों की वादियों से मैदानी क्षेत्रों तक चली बयार...

कुछ महीने पहले लगभग तीन दर्जन अधिकारियों की देश और विदेश में ट्रेनिंग हुई थी। ट्रेनिंग के दौरान एक सहयोगी पर ज़रूरत से ज्यादा ध्यान देना अब दूसरा रूप ले चुका है। पहले लंबी-लंबी बातचीत, फिर किसी न किसी बहाने मुलाकात और फिर मामला परवान चढ़ गया। अब चर्चा है कि यह सिलसिला विदेश और पहाड़ों से आगे बढ़कर घरों तक पहुंच गया है।



पुलिस मुख्यालय के चर्चे...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• ज्यादा होशियारी भारी न पड़ जाए...

पिछले दिनों सीधी भर्ती के एक अधिकारी कानून-व्यवस्था संभालने के दौरान घायल हो गए। युवा पीढ़ी के इन साहब को इन दिनों वरिष्ठ और समकक्ष अधिकारी बिना मांगे लगातार सलाह दे रहे हैं कि आगे रहना चाहिए, लेकिन ऐसी परिस्थितियों में

• माल तो किसी का, दावेदार कोई और...

मध्यप्रदेश के कुछ सीमावर्ती जिलों, खासकर थाना क्षेत्रों में लंबे समय से हवाला कारोबार और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चल रहे हैं। एक बड़े राज्य से जुड़े कुछ कारोबारियों को रोककर पूछताछ की गई और माल भी जब्त किया गया। लेकिन ऊपर से पड़े दबाव के चलते माल छोड़ भी दिया गया। अब चर्चा इस बात की है कि माल किसी का था और ले कोई और गया, लेकिन बता कोई नहीं रहा।



रखना चाहिए। एक शुभचिंतक ने तो यहां तक कह दिया कि ज्यादा होशियारी कहीं भारी न पड़ जाए।



• पकड़ से पहले सौदा...

मध्यप्रदेश के कुछ इलाकों में आज भी बड़े-बड़े गिराव सक्रिय हैं। कुछ महीने पहले सत्ताधारी दल के एक माननीय ऐसी ही धमकी के कारण अपना क्षेत्र छोड़कर कई महीनों तक गायब रहे। जब क्षेत्र की जनता उन्हें तलाशने निकली, तब हकीकत सामने आई। सत्ता और संगठन से चर्चा तथा सुरक्षा का भरोसा मिलने के बाद ही वे क्षेत्र में लौटे। इन दिनों एक अन्य मामले में भी ऐसी ही चर्चाएं छन-छनकर ऊपर तक पहुंच रही हैं, लेकिन सच्चाई कितनी है, यह कहना मुश्किल है।



• बड़े साहब तो ठीक, छोटे भी कम नहीं...

ग्वालियर-चंबल संभाग में एक प्रमोटी और एक सीधी भर्ती के साहबों के बीच अत्यधिक सहयोगी भावनाओं का खामियाजा स्टाफ और जनता भुगत रही है। देखना यह होगा कि दोनों साहबों का यह अति-प्रेम आखिर चरम पर कब पहुंचता है, क्योंकि क्षेत्र की जनता और जिले के स्टाफ को तो सिर्फ राहत से मतलब है, चाहे जैसे मिले।